गद्दी कुत्ता

स्रोत: डाउन टू अर्थ

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (ICAR-NBAGR) ने हिमालयी क्षेत्र की मूल नस्ल **गद्दी कुत्ते** को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी है।

- गद्दी कुत्ता पंजीकृत प्रजाति में शामिल होने वाला **चौथा मूल नस्ल का कुत्ता** है, **इससे पहले** तमिलनाडु की **राजपलायम और चिप्पीपराई नस्लें और** कर्नाटक की **मुधोल हाउंड नस्लों का पंजीकरण किया जा चुका है।**
- **हिमाचल प्रदेश की गद्दी जनजाति** के नाम पर इस नस्ल का नाम रखा गया है, जिसका उपयोग भेड़ों और बकरियों को शिकारियों से बचाने के लिये किया जाता है और **हिम तेंदुए** जैसे माँसाहारी जानवरों से सुरक्षा प्रदान करने की क्षमता के कारण इसे **'भारतीय पैंथर हाउंड' अथवा 'भारतीय तेंदुआ हाउंड' उपनाम दिया गया है।**
    - हिमाचल प्रदेश की गद्दी जनजाति एक **अर्द्ध-घुमंतू समुदाय** है जो परंपरागत रूप से चरवाही और ऊन प्रसंस्करण में संलग्न है।
- **शारीरिक विशेषताएँ:** गद्दी कुत्ता अपनी विशाल, धनुषाकार गर्दन और पुष्ट माँसल शरीर के लिये जाना जाता है, जिसकी खाल का वर्ण काला होता है और कुछ कुत्तों पर सफेद धारियाँ होती हैं।
- **संख्या में गिरावट: 1000 से कम समष्टि वाले गद्दी कुत्ते को जीन पूल के कमज़ोर होने और प्रजनन कार्यक्रमों के अभाव के कारण विलुप्त होने का खतरा है।**
- **संरक्षण प्रयास:** इस मान्यता का उद्देश्य गद्दी नस्ल के संरक्षण में मदद करना है, जिसे अभी तक प्रमुख केनेल क्लबों द्वारा मान्यता नहीं दी गई है।

और पढ़ें: ढोल

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gaddi-dog